विश्व खाद्य दिवस पर संगोष्ठी आयोजित

गंगरार | मेवाड़ विश्वविद्यालय में विश्व खाद्य दिवस पर संगोष्ठी हुई। मुख्य अतिथि जिला कलेक्टर चेतन देवड़ा थे। विशिष्ट अतिथि आरके सामा सेवानिवृत्त आईएफएस, एसएस पाठक आईएफएस, मोटाराम एवं शांतनु सिन्हा थे। विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर वीके वैद्य ने अतिथियों का स्वागत किया। कलेक्टर चेतन देवड़ा ने जल समस्या पर विचार रखते हुए इसके संरक्षण पर ध्यान देने की आवश्यकता बताई। संगोष्ठी का आयोजन विश्वविद्यालय के कृषि एवं पशु चिकित्सा विज्ञान द्वारा किया गया। समन्वयक डीन अरविंदसिंह राजपुरोहित ने आभार व्यक्त किया।

Dainik Bhaskar 17-10-2019

विश्व खाद्य दिवस पर संगोष्ठी

गंगरार। मेवाड़ विश्वविद्यालय में विश्व खाद्य दिवस के उपलक्ष्य में जल, कृषि एवं खाद्य भविष्य की रणनीति विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के मुख्य अतिथि चित्तौड़गढ़ जिला कलेक्टर चेतन देवड़ा एवं विशिष्ट अतिथि आर.के.सामा,एस.एस. पाठक, मोटाराम जी एवं शान्तनु सिन्हा रहे। संगोष्ठी का शुभारंभ विह्यवविद्यालय के कुलगीत एवं मेवाड़ एजुकेशन सोसाइटी के चेयरपर्सन गोविंद लाल गदिया, आर.के.गदिया, आनन्द शुक्ला एवं वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया। वाईस चांसलर वी.के.वैद्य ने भी विचार व्यक्त किए। कलेक्टर चेतन देवड़ा ने कहा कि वर्तमान एवं भविष्य के परिपेक्ष्य में जल समस्या एक गहन चुनौती हैं इसलिए बतौर जिम्मेदार नागरिक हमें जल संरक्षण पर ध्यान देना चाहिए। Dainik Navajyoti 17-10-2019

विश्व खाद्य दिवस पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

चित्तौड़गढ़ (प्रात:काल संवाददाता)। मेवाड़ विश्वविद्यालय में विश्व खाद्य दिवस के उपलक्ष्य में जल, कृषि एवं खाद्य भविष्य की रणनीति विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई जिसके मुख्य अतिथि जिला कलक्टर चेतन देवड़ा एवं विशिष्ट अतिथि आर.के. सामा सेवानिवृत्त आई.एफएस. एस.एस. पाठक, आई.एफ.एस. मोटाराम एवं शान्तनु सिन्हा थे। संगोष्ठी का शुभारंभ सोसाइटी के चेयरपर्सन गोविंदलाल गदिया, आर.के. गदिया, आनन्द शुक्ला एवं वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा अतिथियों को माल्यार्पण कर और पगड़ी पहनाकर किया गया। वाईस चांसलर वी.के. वैद्य ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा समय समय पर भिन्न भिन्न विभागों द्वारा कई सामाजिक, आर्थिक, स्वास्थ्य, विधि इत्यादि मुद्दों पर इस प्रकार की संगोष्ठी का आयोजन किया जाता हैं ताकि विद्यार्थियों में जागरूकता का भाव उत्पन्न हो सके। जिला कलक्टर चेतन देवड़ा ने अपने उदबोधन में बताया कि वर्तमान एवं भविष्य के परिपेक्ष्य में जल समस्या एक गहन चुनौती है इसलिए बतौर जिम्मेदार नागरिक हमे जल संरक्षण पर ध्यान देना चाहिए।

Pratahkal 17-10-2019

जल समस्या एक गहन चुनौती

खाद्य दिवस पर संगोष्ठी

गंगरार. मेवाड़ विश्वविद्यालय में विश्व खाद्य दिवस के उपलक्ष्य में जल, कृषि एवं खाद्य, भविष्य की रणनीतियां विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के मुख्य अतिथि जिला कलेक्टर चेतन देवड़ा एवं विशिष्ट अतिथि आर.के.सामा सेवानिवृत्त आईएफएस, श्री एस.एस. पाठक, आई.एफ एस., मोटाराम एवं शान्तनु सिन्हा रहे। संगोष्ठी का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलगीत एवं मेवाड़ एजुकेशन सोसाइटी के चेयरपर्सन गोविंद लाल गदिया, आर.के.गदिया, आनन्द वर्धन शुक्ला ने अतिथियों का स्वागत किया। सत्र की शुरुआत करते हुए मेवाड़ विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर बी.के.वैद्य ने संगोष्ठी में आने पर आभार जताया। उन्होंने बताया की विश्वविद्यालय की ओर से समय-समय पर भिन्न भिन्न विभागों की ओर से कई सामाजिक,आर्थिक, स्वास्थ्य, विधि इत्यादि मुद्दों पर इस प्रकार की संगोष्ठी का आयोजन किया जाता है ताकि विद्यार्थियों में जागरूकता का भाव उत्पन्न हो सके। कलक्टर चेतन देवड़ा ने कहा कि वर्तमान एवं भविष्य के परिपेक्ष्य में जल समस्या एक गहन चुनौती है इसलिए बतौर जिम्मेदार नागरिक हमे जल संरक्षण पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने पृथ्वी के तापमान में वृद्धि एवं इसके कारण मौसम में होने वाले परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग पर चर्चा की एवं पौधरोपण का सुझाव दिया। पाठक ने कहा कि भारत के परिपेक्ष्य में बताया कि विश्व की 16 प्रतिशत आबादी पर पेयजल मात्र 4 प्रतिशत है। आर.के.सामा ने कहा कि भारत एक कृषि प्रधान देश है परंतु वर्तमान समय के युवाओं में सरकारी एवं निजी रोजगार पाने की होड़ मची हुई है एवं उनका कृषि में रुझान कम हो गया है एवं वर्तमान बेरोजगारी का एक मुख्य कारण यह भी है।

Rajasthan Patrika, 17-10-2019